अनियमितता | 15 दिन में जांच नहीं तो फिर हाईकोर्ट की लेंगे शरण

बालाघाट की कस्टम मिलिंग पर घोटाले का शक

नवभारत, बालाघाट। नेशनल क्राईम रिकार्ड ब्यूरो नहीं, बल्कि अब खाद्यान्न आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े दस्तावेज़ों ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है—क्या बालाघाट जिले से बाहर भेजे गए धान और चावल की कस्टम मिलिंग प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता हुई है?

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने मध्य प्रदेश शासन, खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रमुख सचिव और M.P. State Civil Supplies Corporation Limited के प्रबंध संचालक को लिखित शिकायत भेजकर वर्ष 2024-25 में बालाघाट जिले से बाहर कस्टम मिलिंग हेतु भेजे गए चावल की विस्तृत जांच की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, सूचना के अधिकार के तहत कई राइस मिलों और उनसे संबंधित परिवहन जानकारी मांगी गई थी।

इनमें यह पूछा गया था कि: किन मिलों को धान/चावल का आवंटन किया गया?

कितना स्टॉक भेजा गया? किस तारीख को परिवहन हुआ? ट्रक नंबर क्या थे? आर.ओ. नंबर क्या थे?

माल किस स्थान पर भेजा गया? क्या वाहनों में GPS सिस्टम सक्रिय था? मंच का आरोप है कि उपलब्ध कराई गई जानकारी में ट्रक नंबर तो दिए गए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वाहनों में GPS सिस्टम लगा था या नहीं।

डॉ. नाजपांडे ने पत्र में कहा है कि GPS संबंधी जानकारी न दिए जाने से पूरा मामला संदिग्ध हो गया है। यदि वाहनों की वास्तविक लोकेशन और आवाजाही का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, तो यह जांच का विषय है कि चावल वास्तव में निर्धारित स्थान तक पहुंचा या केवल दस्तावेज़ों में ही परिवहन दर्शाया गया।

शिकायत में आदिशक्ति राइस मिल, हितांशी फूड प्रोसेसर्स प्रा. लि., श्री राम राइस मिल सहित कई मिलों का उल्लेख किया गया है, जिन्हें कस्टम मिलिंग से संबंधित कार्य आवंटित किए जाने की जानकारी मांगी गई थी।

मंच ने स्पष्ट किया है कि इसी मुद्दे पर Madhya Pradesh High Court में जनहित याचिका पहले से लंबित है। यदि 15 दिनों के भीतर विस्तृत जांच शुरू नहीं की गई, तो संस्था पुन: हाईकोर्ट की शरण लेगी।

बालाघाट जैसे धान उत्पादक जिले से जुड़े इस मामले ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि तक्क निगरानी और परिवहन सत्यापन में कमी पाई जाती है, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि खाद्यान्न प्रबंधन में संभावित बड़े घोटाले का संकेत हो सकता है। जब की मध्यप्रदेश शासन ने आदेशित किया है कि धान ओर चावल के परिवहन में GPS लगे हुए ट्रकों का ही इस्तेमाल किया जाए।

मेटालिफेरस माइंस सेफ्टी वीक-2025 में बालाघाट माइंस को ओवरऑल द्वितीय पुरस्कार, सुरक्षा उत्कृष्टता का मिला सम्मान

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट माइंस परिवार के लिए गर्व और सम्मान का क्षण तब आया जब बालाघाट माइंस ने तृतीय मेटालिफेरस माइंस सेफ्टी वीक-2025 जो मलाजखंड में आयोजित हुवा ।इस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। यह उपलब्धि खदान प्रबंधन, कर्मचारियों और अधिकारियों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता, अनुशासन, टीमवर्क तथा संचालन उत्कृष्टता को दर्शाती है।

सुरक्षा मानकों के पालन और बेहतर कार्य संस्कृति के लिए पहचानी जाने वाली बालाघाट माइंस ने विभिन्न श्रेणियों में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की। खदान को व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं प्राथमिक उपचार श्रेणी में प्रथम पुरस्कार, माइंस वर्किंग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार, तथा विस्फोटकों के भंडारण, परिवहन एवं उपयोग श्रेणी में भी प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इसके अलावा, वाइंडर के संचालन एवं रखरखाव श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार तथा माइन प्लान एवं रिकॉर्ड श्रेणी में भी द्वितीय पुरस्कार प्राप्त कर बालाघाट माइंस ने अपनी दक्षता और बेहतर प्रबंधन क्षमता का परिचय दिया।

यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करना इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि पुरस्कार सम्मानित अतिथि श्री उज्वल तह के करकमलों से प्रदान किया गया। इस अवसर ने पूरे बालाघाट माइंस परिवार के लिए उपलब्धि को और भी यादगार बना दिया।

बालाघाट माइंस प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय प्रत्येक कर्मचारी, श्रमिक, अधिकारी एवं सहयोगी को दिया, जिनकी मेहनत, समर्पण और सुरक्षित कार्यस्थल के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। प्रबंधन का कहना है कि सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे प्रत्येक स्तर पर गंभीरता से अपनाया जाता है।

खदान प्रबंधन ने कहा कि यह सम्मान भविष्य में और अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने तथा सुरक्षा मानकों को और मजबूत करने की प्रेरणा देगा। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बालाघाट माइंस आने वाले वर्षों में भी उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास जारी रखेगी।

प्रबंधन ने संदेश देते हुए कहा कि 'बालाघाट माइंस में सुरक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि हमारी कार्य संस्कृति और प्रतिबद्धता का अभिन्न हिस्सा है।' यह उपलब्धि पूरे बालाघाट जिले और माइंस परिवार के लिए गर्व का विषय बनी हुई है।

रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल द्वारा 'स्नेह आहार' का वितरण

नवभारत, बालाघाट। रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल द्वारा क्लब के सक्रिय सदस्य रोटेरियन धनेंद्र राहंगडाले के पूज्य पिताजी स्वर्गीय श्री बसंत राहंगडाले जी की पुण्यतिथि के अवसर पर जिला अस्पताल बालाघाट में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए 'स्नेह आहार' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस सेवा कार्य के अंतर्गत क्लब द्वारा फल, भोजन एवं बिस्किट का वितरण किया गया। क्लब ने इस सेवा पहल को 'स्नेह आहार' नाम देते हुए जरूरतमंदों तक प्रेम, सहयोग और मानवता का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया।

कार्यक्रम के दौरान क्लब सदस्यों ने स्वर्गीय श्री बसंत राहंगडाले जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाजसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अस्पताल में उपस्थित मरीजों एवं उनके परिजनों ने रोटरी क्लब की इस पहल की सराहना की।

कार्यक्रम में स्वर्गीय श्री बसंत राहंगडाले जी की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा राहंगडाले, पुत्र रोटेरियन धनेंद्र राहंगडाले एवं विहान राहंगडाले विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन संदीप असाटी, सचिव रोटेरियन आशीष साहू, कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजेश गांधी, रोटेरियन नरेन्दर सिंघ छाबड़ा, रोटेरियन सौरभ हरिनखेड़े, प्रेसिडेंट इलेक्ट रोटेरियन अंकित अग्रवाल, रोटेरियन राहुल जैन उपस्थित रहे।

क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि रोटरी क्लब सदैव सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा प्रकल्प निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

सेवा, साधना और सत्संग के साथ मनाया श्री श्री का जन्मोत्सव

रक्तदान-महादान के साथ होगा रक्तदान शिविर

नवभारत, बालाघाट। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के संस्थापक पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी का उद्देश्य हिंसामुक्त और तनावमुक्त समाज का निर्माण करना है। लोगों को सुखी, स्वस्थ और आनंदमय जीवन जीने की कला सिखाने वाले गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी का जन्मोत्सव 13 मई को सेवा, साधना और सत्संग के साथ मनाया जाएगा।

आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक सूरजीतसिंह ठाकुर एवं जिला समन्वयक श्रीमती रीतू मोहारे ने बताया कि वर्तमान में बालाघाट में लोगों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने हेतु हैप्पीनेस प्रोग्राम संचालित किया जा रहा है, जिसमें योग, प्राणायाम, ध्यान एवं विश्वविख्यात सुदर्शन क्रिया सिखाई जा रही है। वहीं सहज समाधि ध्यान योग शिविर में ध्यान की विशेष तकनीकें सिखाई गईं।

इसी क्रम में 13 मई मंगलवार को गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी का जन्मोत्सव सेवा, साधना एवं सत्संग के रूप में मनाया जाएगा। प्रात: 7 बजे से जिला भाजपा कार्यालय, बालाघाट में विश्वविख्यात सुदर्शन क्रिया, योग एवं प्राणायाम का आयोजन होगा।

इसके पश्चात सुबह 9 बजे से जिला भाजपा कार्यालय परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें आर्ट ऑफ लिविंग स्वयंसेवकों सहित अन्य नागरिकों द्वारा रक्तदान किया जाएगा।

साथ ही सुबह 11 बजे से जिला चिकित्सालय, बालाघाट में नारायण सेवा के अंतर्गत मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए भोजन वितरण किया जाएगा। इसी अवसर पर आमजन हेतु प्याऊ का शुभारंभ एवं उद्घाटन भी किया जाएगा।

शाम को भाजपा कार्यालय के बाजू में स्थित अटल गार्डन में भव्य म्यूजिकल इवेंट एवं सत्संग कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में भजन, संगीत एवं ध्यान का आयोजन किया जाएगा। बैंगलुरु से पहुंचे प्रशिक्षक एवं सुमधुर गायक अभिषेक सिंह द्वारा विशेष भजन प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी।

साथ ही बालाघाट में समय-समय पर आयोजित इंट्यूशन कोर्स के प्रतिभाशाली बच्चों द्वारा इंट्यूशन प्रोसेस से जागृत उनकी अंत:प्रज्ञा के अनेक रोचक डेमो एवं प्रतिभाओं का प्रदर्शन भी किया जाएगा, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहेगा।

कार्यक्रम में समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों एवं रक्तदान करने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। तत्पश्चात महाप्रसाद वितरण किया जाएगा।

25 जुलाई को बालाघाट से मथुरा-वृंदावन के लिए रवाना होगी विशेष ट्रेन

बालाघाट। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक जिनमें 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के व्यक्ति शामिल हो (महिलाओ को 02 वर्ष की छूट) तथा जो आयकर दाता नही हो को प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों में से एक या युग्म तीर्थों की यात्रा सुलभ कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत आगामी 25 जुलाई को बालाघाट से मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। इसमें बालाघाट जिले के 191 तीर्थ यात्री शामिल होंगे।मथुरा-वृंदावन तीर्थ दर्शन यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए है।

अवैध रेत परिवहन करते डम्पर ज़ब्त, तीन पर मामला दर्ज

▸ **लम्बे समय से चल रहा था रेत का अवैध परिवहन, तिरोड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई**

नवभारत, कटंगी 12 मई। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में थाना तिरोड़ी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन में लगे एक डम्पर को जप्त किया है। मामले में तीन आरोपियों की शिनाख्त सामने आई है, जिनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना तिरोड़ी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बखैनी स्थित बावनथड़ी नदी घाट से लगातार अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं। 11 मई की रात्रि गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद-नीले रंग का डम्पर अवैध रूप से रेत भरकर महकेपार-सुकली मार्ग से नागपुर की ओर जाने वाला है।

घेराबंदी कर वाहन को रोका

सूचना मिलते ही थाना तिरोड़ी एवं चौकी महकेपार पुलिस ने पावर हाउस चौक के पास घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। जांच के दौरान डम्पर में अवैध रूप से रेत भरी मिली। चालक से रॉयल्टी एवं परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

तीन नाम सामने आये

पुलिस ने मौके से लगभग 45 लाख 50 हजार रुपये कीमत का डम्पर जब्त कर लिया। पूछताछ में चालक अंकुश जाधव ने अवैध रेत परिवहन में गुरुदेव पुण्यतोडे एवं प्रमोद डहरवाल की संलिप्तता होना बताया। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आदतन आरोपी कर रहा था रेत चोरी

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी गुरुदेव पुण्यतोडे के खिलाफ पूर्व में मारपीट, बलवा, शासकीय कार्य में बाधा, आर्म्स एक्ट और अवैध खनन से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। जिसके बावजूद बावनथड़ी नदी घाट से अवैध रूप से रेत का कारोबार लगातार कर रहा था। डम्पर जप्त होते ही पूरा मामला सामने आ गया। सूत्रों के अनुसार, गुरुदेव पुण्यतोडे अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अवैध रेत खनन का लगातार कार्य कर मोटी रकम कमाता है।

लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

थाना तिरोड़ी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि तिरोड़ी क्षेत्र में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विदित हो कि क्षेत्र वासियों द्वारा लम्बे समय से अवैध उत्खनन और रेत परिवहन की शिकायतें खनिज विभाग को की जाती रही हैं, जिस मुद्दे को अखबारों ने भी प्रमुखता से उठाया था, किन्तु खनिज विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।

वन स्टॉप सेंटर बैहर एवं बालाघाट की पहल से दो परिवारों को मिला नया सहारा

संवेदनशील परामर्श और त्वरित सहायता से परिवारों का हुआ पुनर्मिलन

नवभारत, बैहर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर बैहर एवं वन स्टॉप सेंटर बालाघाट पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षा, परामर्श और पुनर्वास उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार सराहनीय कार्य कर रहे हैं। हाल ही में सेंटर की संवेदनशीलता एवं तत्परता से दो परिवारों को पुन: एकजुट करने में सफलता मिली, जो समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है।

पहला मामला पश्चिम बंगाल निवासी वृद्ध महिला मानसी देवी (परिवर्तित नाम) से जुड़ा है। मानसिक तनाव के चलते वह अपनी बेटी एवं दामाद के घर जाते समय रास्ता भटक गईं और भटकते हुए बैहर क्षेत्र तक पहुंच गईं। क्षेत्रवासियों ने महिला को असहाय अवस्था में घूमते देखा और तत्काल 181 हेल्पलाइन पर सूचना दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस द्वारा महिला को सुरक्षित रूप से वन स्टॉप सेंटर बैहर पहुंचाया गया, जहां उन्हें भोजन, स्वास्थ्य सहायता, अस्थायी आश्रय एवं मनोसामाजिक परामर्श उपलब्ध कराया गया। महिला केवल बंगाली भाषा जानती थीं, जिससे उनकी पहचान और परिजनों तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद सेंटर की टीम ने गूगल ट्रांसलेट के माध्यम से संवाद स्थापित किया और प्राप्त जानकारी के आधार पर पश्चिम बंगाल के संबंधित थाने से संपर्क कर परिजनों तक सूचना पहुंचाई।

सूचना मिलते ही महिला का बेटा वन स्टॉप सेंटर बैहर पहुंचा, जहां मां-बेटे का भावुक मिलन हुआ। यह पूरा घटनाक्रम वन स्टॉप सेंटर की संवेदनशील एवं मानवीय कार्यप्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया। दूसरा मामला अनुष्का (परिवर्तित नाम) से संबंधित है, जो देर रात एक सार्वजनिक पार्क में भयभीत एवं असहज अवस्था में भटकती हुई मिली। पार्क कर्मचारियों ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल वन स्टॉप सेंटर को सूचना दी। सूचना प्राप्त होते ही टीम ने तत्परता दिखाते हुए अनुष्का को सुरक्षित संरक्षण में लिया तथा सेंटर में अस्थायी आश्रय, चिकित्सा सहायता एवं मनोसामाजिक परामर्श उपलब्ध कराया।

काउंसलिंग के दौरान सामने आया कि परिवार में मोबाइल फोन के उपयोग को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था, जिसके कारण तनाव में आकर वह घर छोड़कर निकल गई थी। आगे की चर्चा में यह भी पता चला कि अनुष्का मिर्गी (एपिलेप्सी) जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है और नियमित उपचार के अभाव में उसकी मानसिक स्थिति प्रभावित हो रही थी।

वन स्टॉप सेंटर द्वारा अनुष्का के माता-पिता से संपर्क स्थापित कर संयुक्त काउंसलिंग की गई। काउंसलर ने परिवार को मानसिक स्वास्थ्य, बीमारी की गंभीरता एवं संवेदनशील व्यवहार के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। परामर्श के बाद माता-पिता ने बेहतर देखभाल एवं नियमित उपचार का आश्वासन दिया। वर्तमान में अनुष्का अपने परिवार के साथ सुरक्षित एवं खुशहाल जीवन व्यतीत कर रही है।

वन स्टॉप सेंटर की इन दोनों सफल पहलों ने यह साबित किया है कि समय पर सहायता, संवेदनशील परामर्श और निरंतर प्रयासों से न केवल संकटग्रस्त व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान की जा सकती है, बल्कि टूटते परिवारों को भी दोबारा जोड़ा जा सकता है।

समाधान | शिकायतों में बैठकीय बाजार टीम ज्यादा वसूल रही टेक्स, अधिवक्ता संघ की गटटू लगाने की मांग हुई पूरी

पूर्व मंत्री और नपा अध्यक्ष ने छोटी-बड़ी जन समस्याओं का किया समाधान

नवभारत, वारासिवनी। नगर पालिका परिषद मे आज जनता दरबार के तीसरे एपीसोड मे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के साथ अधिकारीयो की टीम ने जनमानस की छोटी से छोटी और बडी से बडी समस्याओ का त्वरित मे समाधान कर प्रार्थीयो के चेहरो पर मुस्कान लाने का कार्य किया।

जनता दरबार के प्रारंभिक पलो मे ही सबसे पहले अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप नगपुरे, अभिषेक शुक्ला,पुष्पेन्द्र कलिहारी, अजय डहाके, मिलिंद नगपुरे आदि ने अधिवक्ता कक्ष के सामने लगभग 25 सौ स्केवर फिट जगह पर गटटू लगाने की मांग सामने रखी। जिसे स्वीक्रत करते हुये प्रक्रिया मे लेकर जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया। साथ ही गर्मी के मौसम मे प्याउ की मांग पर त्वरित मे इस मांग की पूर्ति करते हुये प्याउ की स्थापना कर दी गयी।

आज सबसे ज्यादा शिकायत रेत की परेशानी को लेकर सामने आयी। शासकीय कार्य सहित विभिन्न निर्माण कार्यो के ठेकेदारो ने रेत नही मिलने की समस्या से पुरा कार्य प्रभावित होने की दुहाई दी। जिस पर नपा की टीम को तत्काल जिलाधीश, जिला खनिज अधिकारी के समक्ष इस विषय को बडे बडे निर्माण कार्यो के वर्क आर्डर के साथ रखने का निर्णय सुनाया गया।

इसी तरह नगर के मछली मटन मार्केट से बैठकीय बाजार वसूली टीम के द्वारा ज्यादा राशी लेने व लोकल के वाहनो से राशी वसूलने की शिकायत सामने आयी। साथ ही वार्ड तीन मे बाली देशपांडे, समीर बिसेन, केलू दूल्हानी, दीपक जैन आदि के घर के पीछे की नाली की समस्या का समाधान भी किया गया। जिसमे आज ही जेसीबी से नाली के पास की झाडियो को काटकर नाली की स्थिती को देखकर उसने निर्माण के निर्देश प्रदान किये गये।

विशेष यह भी रहा की वार्ड नौ मे किशोर बंसोडकर की नाली की समस्या की शिकायत के साथ वार्ड तीन, वार्ड ग्यारह मे अन्य नाली के विषय पर नियमानूसार निर्णय लिये गये। वहीं दादाबाडी के सामने से सेंट्रल बैंक तक सडक किनारे के गिटटी नूमा सडक को रिपेयर करने के आदेश संबधित कार्य एंजेसी को प्रदान किये गये। प्रधानमंत्री आवास सहित जनता की मूलभूत समस्याओ के समाधान के साथ कौशल्या कटरे को बिजली कनेक्शन की, राईस मिल संचालन के लिये विजय खंडेलवाल सहित अन्य निवासीयो को आवास निर्माण की एनओसी प्रदान की गयी।

आज जनता दरबार मे पार्षदो मे प्रवीण डोंगरे, मोनू लिमजे, पवन धूर्वे, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधी मनोज दांदरे, धर्मू जोशी, पूर्व नपा अध्यक्ष आलोक खरे, लोकेश ठाकरे, अमित येरपूडे, उपंयत्री सुमीत मोटवानी, उपयंत्री वंशिका चैहान आदि सक्रिय भी नजर आये।

लामता महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

नवभारत, लामता। शासकीय महाविद्यालय लामता में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य सुंदरलाल बिसेन के मार्गदर्शन में 11 मई 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यानमाला, प्रश्न मंच एवं तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर संक्षिप्त जानकारी साझा करते हुए विज्ञान एवं तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा की सहायक प्राध्यापक डॉ. जयश्री सूर्यवंशी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आधुनिक टेक्नोलॉजी ने मेडिकल, बैंकिंग एवं रिसर्च जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता दिलाई है। साथ ही उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (.ढ्ढ.) के कार्य करने की प्रक्रिया, उसके लाभ एवं संभावित हानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने क्विज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न मॉडल भी तैयार कर प्रदर्शित किए गए, जिनकी कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता को छात्रों ने विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार चौरे द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. चंद्रशेखर कटरे ने किया। इस अवसर पर डॉ. विजेंद्र तरुणे, निरंजन राहंगडाले, डॉ. राहुल पटले सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक हरेंद्र बघेल, नवीना मनेश्वर तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।